

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: संदेश वाहक का दायित्व पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न-परिशिष्ट संख्या-6अ/1 विषय वस्तु- भगवान के डाकिए, उपविषय वस्तु :- अ) कवि का परिचय आ) पर्यावरण जागरूकता इ) जीवन मूल्य पाठ्येतर विषय वस्तु * पुस्तक निर्माण * साहित्य लेखन	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे । आ) कवियों द्वारा प्रकृति को दिये जाने वाले अनोखे उपमानों को जान सकेंगे । इ) ईश्वर द्वारा प्रदत्त प्रकृति के एकता के संदेश की अनुभूति कर सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित हो उनकी अन्य रचनाओं की सूची बना सकेंगे । आ) प्रकृति के सौंदर्य को नवीन उपमानों से विभूषित कर काव्य लेखन में सक्षम हो सकेंगे। इ) मानव एकता से जुड़े तथ्यों का संकलन कर पुस्तक निर्माण कर सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- पुस्तक निर्माण से संबंधित ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-6अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-6अ/२ अध्यापिका के निर्देशन में उचित यति गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-6अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-6अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-6आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-6आ/२ उचित यति गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे। अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-6आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-6आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि विद्यालय अन्तःविषय संबंध :- जीवन मूल्य, सामाजिक ज्ञान, पर्यावरण जागरूकता ।
परिसर :- विद्यालय परिसर के बगीचे में जाकर पुष्पों पर चार-चार पंक्ति की कविता लिख सकेंगी।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -6अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1-पुराने समय में संदेश कैसे भेजे जाते थे ?

संदेशवाहक

प्रश्न.2- संदेशवाहक के रूप में कौन कार्य करता था ?

कबूतर, हरकारे ।

प्रश्न.3- ये प्रकृति हमें ईश्वर का क्या संदेश देती है ?

समस्यात्मक ।

कथन:- आइये 'भगवान के डाकिये ' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि भगवान हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -6अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका में अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -6अ/3

- अध्यापिका के निर्देशानुसार कार्य विभाजन के अनुसार कुल पाँच समूह बनाए जाएँगे ।
- सभी समूहों को पुस्तक निर्माण से जुड़ा एक-एक कार्य दिया जाएगा । जैसे-
 - 1) पहला समूह मुख्य पृष्ठ निर्माण, विषय सूची और प्रस्तावना लिख कर संपूर्ण कार्य को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करेगा ।
 - 2) दूसरा समूह डाकिए की चिट्टी और भगवान द्वारा भेजे संदेश में अंतर स्पष्ट करेगा ।
 - 3) तीसरा समूह इंटरनेट की दुनिया पर आधारित अनुच्छेद लिखेगा ।
 - 4) चौथा समूह (परोपकार, भाईचारा, एकता, सद्भावना, प्रेम आदि गुणों पर आधारित) नारा लेखन करेगा ।
 - 5) पाँचवा समूह डाकिए पर आधारित स्वरचित कविता का निर्माण करेगा ।
- भाषा सरल एवं शुद्ध होनी चाहिए ।
- सभी समूह मुख्य पृष्ठ निर्माण, विषय सूची और प्रस्तावना लिख कर संपूर्ण कार्य को पुस्तक के रूप में तैयार कर 'इन्द्रधनुष' शीर्षक दे कर मूल्यांकन हेतु अध्यापिका को प्रस्तुत करेंगे ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -6अ/4

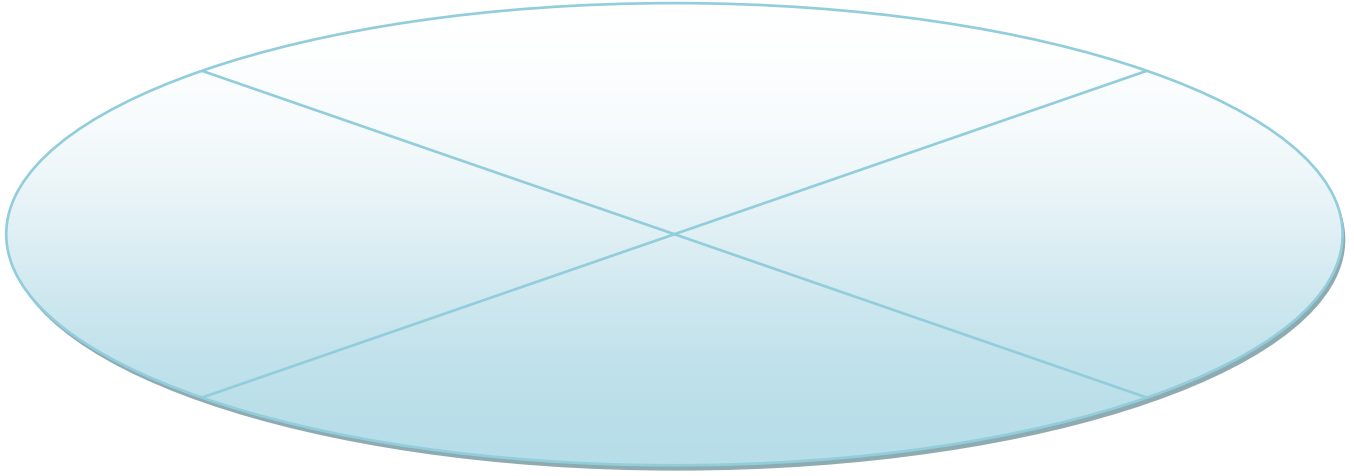
पाठ : भगवान के डाकिए

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : इन्द्र-धनुष

अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व पुस्तक निर्माण हेतु मुख्य बिंदुओं का ज्ञान :



पुस्तक निर्माण

गतिविधि से सीखा :

प्रश्न : गतिविधि के पश्चात **पुस्तक** और **ई-पुस्तक** के अंतर को स्पष्ट करें ।